यालिनी

हिंदी पाठमाला

(एन०सी०ई०आर०टी० (NCERT) द्वारा निर्धारित
पाठ्य-क्रम पर आधारित)

उत्तर-पुस्तिका

(भाग 1 से 5)

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी कक्षा-2

पाठ 1- प्रार्थना (कविता)

लिखित

1. क. भगवान का ख. झूठ से ग. प्रेम का
   घ. भारत माँ के ङ. सत्य का
2. भूल न जाएँ।
   सदा प्रेम का बिगुल
   रक्षा हेतु
   अपना सब कर दें
3. क. सच्चा
   ख. सत्य
   ग. मानवता
   घ. द्वेष

भाषा-ज्ञान

1. ख. जान ग. धर्म घ. वाह ङ. कच्चा
   च. मग
2. क. भगवान ग. प्रभु घ. धर्म ङ द्वेष
3. ह मे शा स त्य बो लो

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 2- रोहन की नीली पतंग

लिखित

1. क. सुहावना ख. पतंग ने ग. शीना
   घ. भारत माँ के ङ. सत्य का
2. क. पार्क में सभी बच्चे अपनी-अपनी पंतग उड़ा रहे थे।
   ख. पतंग पहले कभी नही उड़ी थी उसे डर था कि वह नही उड़ा पाएगी इसलिए वह घबरा रही थी।
   ग. रोहन ने अपनी पतंग को समझाया कि शुरू में हमें काई भी काम ठीक से नहीं आता। पर जब कोशिश करते हैं, तो धीरे-धीरे उस काम में कुशल हो जाते हैं।
   ख. पतंग के बहाने रोहन और शीना भी यह बात अच्छी तरह समझ गए कि हम कोई काम तभी सीख सकते हैं, जब उसे करने की सच्ची कोशिश करें।
3. क. आकाश
   ख. पतंग
   ग. अटल
   घ. खुशी
4. क. रोहन ने पतंग से
   ख. पतंग ने रोहन से
   ग. शीना ने पतंग से

भाषा-ज्ञान

1. एक — अनेक
   अनेक — अनेक
   अनेक — एक
   एक — एक
2. मंजा
   हवा
   अच्छी

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 3- हरा-भरा जंगल

लिखित

1. क. मित्र ख. जामुन का पेड़ ग. चमचमाती कुल्हाड़ियाँ
   घ. पेड़ काटने ङ. सत्य का
2. क. (✗)
   ख. (✓)
   ग. (✗)
   घ. (✓)
   ङ. (✗)
3. क. शरद और सलीम गरमियों की छुट्टियों में खेलने के लिए प्रतिदिन जंगल जाते थे।
   ख. शरद और सलीम कभी तो पेड़ पर चढ़ते तो कभी उसके मीठे जामुन खाते। जामुन का पेड़ बहुत से पशु-पक्षियों का घर था। कभी वे उन पक्षियों को घोंसलो में बैठे देखते तो कभी गिलहरी के आगे-पीछे दौड़ लगाते थे।
   ग. शरद और सलीम ने चार अजनबी लोग देखे। जिनके हाथों में चमचमाती कुल्हाडियाँ थी जो आपस में जंगल के पेंड काटने की बाते कर रहे थे।
   घ. गाँववालों ने उन अजनबियों को पेड़ के चारों ओर रस्सी से कसकर बाँध दिया। उनके द्वारा आगे से पेड़ों को हानि न पहुँचाने की शपथ लेने पर गाँववालों ने उन्हें छोड़ दिया।
   ङ. गाँववालो ने जंगल की सीमा पर तख्ती लगा यह संदेश लिख दिया—''पेड़-पौधे मत करो नष्ट साँस लेने में होगा कष्ट।''

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं करें।
2. प्यार — प्रेम
   अच्छा — रस्सी
3. पक्षी — वृक्ष
   मित्र — चित्र
   प्रतिज्ञा — आज्ञा
   श्रमिक — आश्रम

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 4- वर्षा रानी (कविता)

लिखित

1. क. पानी ख. काले ग. इंद्रधनुष की
   घ. मेंढक
2. पानी
   रानी
   मोर
   ओर
3. क. बच्चे मतवाले होकर झूम रहे थे।
   ख. मोर घूम-घूमकर चारों ओर नाच रहा था।
   ग. बच्चे इंद्रधनुष की घटा देखकर ताली बजा रहे है।
   घ. टर्र-टर्र मुँह खेले बाहर मेढ़क निकला है
   ङ. कविता में ऋतुओं की रानी रिमझिम बूँदो को कहा गया है।

भाषा-ज्ञान

1. नर्स टर्र-टर्र दर्द चर्चा
2. क. वर्षा ख. छटा ग. सुहानी घ. छाए
3. खेलना झूमना
   डाँटना मारना
4. क. आसमान में पक्षी उड़ रहे हैं।
   ख. मोर बारिश में नाच रहा है।
   ग. मोर जंगल में रहता है।
   घ. बच्चें बारिश में भीग रहे है।
   ङ. आसमान में बादल छाए।
   च. बच्चे बारिश में नहा रहे हैं।

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 5 - छबीली

लिखित

1. क. छबीली ख. मोरोपंत ग. बरछी-तलवार से
   घ. लक्ष्मीबाई
2. 4, 1, 3, 2
   रानी
3. क. हाथी को देखकर मनु ने खेलना छोड़ दिया।
   ख. मनु की माता का नाम भगीरथी था।
   ग. बरछी, कृपाण, कटारी चलाने में मनु को महारत हासिल थी।
   घ. मनुबाई का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ था।
   ङ. उन्होंने मातृभूमि के लिए हाँसते-हाँसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। सभी देशवासियों को झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई पर गर्व है।

भाषा-ज्ञान

3. क. मेरी आयु पाँच साल है।
   ख. हमें अपने देश से प्यार है।
   ग. मेरे प्राण तो मेरी बेटी में है।
   घ. मेरे भाग्य में एक नही हजारों हाथी है।
2. क. प्यार ख. पोषण
   ग. हँसते घ. महाराजा
3. माता, लड़की, वीरांगना, रानी, हथिनी
4. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 6 - कोयल

लिखित

1. क. संदेश ख. मेघों ग. माँ से
   घ. मीठा ङ. भली
2. क. (।) ख. (?) ग. (।)
   घ. (।) ङ. (।)
3. क. कोयल बहुत मीठा गाती है।
   ख. प्यासी धरती मेघों से पानी माँग रही है।
   ग. कोयल को हम चिड़ियों की रानी कहते है।
   घ. कोयल डाल-डाल पर उड़ती-गाती है।
4. क. (iii)
   ख. (iv)
   ग. (ii)
   घ. (v)
   ङ. (i)
5. क. 'कोयल' कविता कोयल बारे में है।
   ख. कोयल को माँ ने मीठी बोलना सिखाया है।
   ग. कवयित्री ने कोयल को चिड़ियों की रानी इसलिए कहा हैं क्योकि मानती है।
   घ. स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. डमरू, कपड़े, ढाल, चढ़ना
   डलिया, लकड़ी, ढोलक, ढ़क्कन
2. क. मकड़ियाँ ख. दीवारें
   ग. घडियाँ घ. रातें
   ङ. मछलियाँ च. कारें
   छ. लकडियाँ ज. पेंसिले
3. क. उधर ख. रात
   ग. जीत घ. बड़ा
   ङ. पास च. नीचे

4. क. युद्ध
   ख. अच्छा
   ग. तुम्हारा
   घ. प्राप्त
5. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 7 - बुद्धिमान मन्त्री

लिखित

1. क. तालाब ख. मछलियाँ ग. मगरमच्छ
   घ. दूसरे तालाब में ङ. जाल
2. क. पक्षियो का शिकार करके उन्हे बेंचकर
   ख. बंदर का नाच दिखा कर
   ग. बच्चों को पढ़ाकर
   घ. बीमारों का इलाज कर के
3. क. (iii) ख. (iv)
   ग. (ii) घ. (v)
   ङ. (i)
   ख. प्यासी धरती मेघों से पानी माँग रही है।
   ग. कोयल को हम चिड़ियों की रानी कहते है।
   घ. कोयल डाल-डाल पर उड़ती-गाती है।
4. क. काम और धन्धा ख. अच्छा और बुरा
   ग. रात और दिन घ. राज और रानी
   ङ. आर और पार च. जल और थल
   छ. नदी और नाले ज. जीवन और मरण
5. क. शिकार न मिलने के कारण दोनों शिकारी निराश थे।
   ख. तालाब से जल भरते समय नंदू शिकारी को विचार आया कि तालाब में मछलियाँ-ही-मछलियाँ भरी पड़ी हैं। चलो, जाल डाले और मछलियाँ पकड़कर शहर ले जाकर बेचते है। इस तरह अपना धन्धा खूब चलेगा।
   ग. मछलियों ने तालाब के राजा से प्रार्थना की हमें रातों-रात यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए वरना सुबह शिकारी हमें मार डालेंगे।
   घ. मगरमच्छ ने अपने पूर्वजों का तालाब छोड़कर कहीं भी जाने से मना कर दिया। मगरमच्छ को उसके मन्त्रियों ने भी समझाया, किन्तु रूढ़िवादी मगरमच्छ ने स्पष्ट इंकार कर दिया।
   ङ. शिकारी ने जब जाल फेंका तो राजा और उसके पक्ष की मछलिया जान बचने के लिए इधर-उधर तैरने लगी। लेकिन कोई भी लाभ नहीं हुआ। वे एक-एक करके, जाल में फँसती चली गईं। इस प्रकार, राजा की हठ और रूढ़िवादिता के कारण मछली अपनी जान से हाथ धो बैठी।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2. स्वयं कीजिए
3. क. उड़कर ख. खाकर
   ग. देखकर घ. पढ़कर
   ङ. सुनकर च. हँसकर

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 8 - किसान की आय

लिखित

1. क. राजा ख. एक रुपया ग. एक-चौथाई
   घ. सिक्के ङ. पुरस्कार
2. क. (✗)
   ख. (✓)
   ग. (✓)
   घ. (✗)
   ङ. (✓)
3. क. आय ख. चौथाई भाग
   ग. दरबार घ. पहेली
   ङ. पालन
4. क. एक राजा अपनी प्रजा का हाल-चाल जानने के लिए अपने राज्य में घूमा करता था।
   ख. किसान के पास पहुँचकर राजा ने उससे पूछा, ''क्या तुम अपनी आय से खुश हो ?''
   ग. मन्त्री किसान के गाँव पहेली का उत्तर जानने गया था।
   घ. राजा किसान पर क्रोधित होते हुए कहने लगा, ''हमने तुमसे कहा था कि हमारा चेहरा सौ बार देखे बिना पहली का उत्तर किसी को मत बताना, फिर तुमने मन्त्री को उसके बारे में क्यों बताया?''
   ङ. किसान हाथ जोड़कर बोला, ''मैंने आपके आदेश का ही पालन किया है। मन्त्री महोदय ने मुझे एक थैली दी थी, जिसमें सोने के सौ सिक्के थे। प्रत्येक सिक्के पर आपका चेहरा मुद्रित था। मैंने उन सिक्कों पर आपका चेहरा सौ बार देखकर ही मन्त्री महोदय को उस पहेली का उत्तर बताया था।''

भाषा-ज्ञान

1. क. उनका
   ख. वे
   ग. मैं
   घ. तुमने
2. क. व्यय ख. नकद
   ग. प्रश्न घ. अनेक
   ङ. प्रजा च. पराया
   छ. गलत ज. दण्ड
3. क. बहुत
   ख. दोस्त
   ग. क्षमा
   घ. आदर
4. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 10 - बुद्धि का चमत्कार

लिखित

1. क. दीवान ख. निज़ाम ग. महावत से
   घ. नाव में ङ. हाथी
2. क. मछली गाय कबूतर
   ख. कछुआ हिरन तितली
   ग. मगरमच्छ हाथी उल्लू
3. क. व्यवस्था
   ख. वज़न
   ग. नाव
   घ. शहर
   ङ. चमत्कार
4. क. (iii)
   ख. (iv)
   ग. (ii)
   घ. (v)
   ङ. (i)
5. क. नाना फडणवीस पेशवा के दीवान थे
   ख. नाना की परीक्षा लेने के लिए हैदराबाद के निज़ाम ने उनके पास एक हाथी भेजा।
   ग. नाना ने कहावत से कहा, ''हाथी को नाव पर चढ़ाओ।'' हाथी के बोझ से नाव जल में थोड़ी-सी डूबी। जहाँ तक नाव जल में डूबी थी, वहाँ पर नाना ने एक चिन्ह लगा दिया इसके बाद नाना ने नाव में पत्थर डलवाने शुरू किए। पत्थरों के बोझ से नाव धीरे-धीरे जल में डूबने लगी। जब जल की सतह ठीक पहले वाले चिन्ह तक पहुँच गई, तो उन्होंने पत्थर डलवाने बन्द कर दिए। अब उन्होंने नौकरों को आज्ञा दी, ''सब पत्थरों को नाव से उतारकर तराजू में तौला जाए।'' फिर नाना ने पत्थरों की तौल को जोड़ा और हाथी का सही वज़न बता दिया।
   घ. नाना की बुद्धि का चमत्कार देखकर निजाम आश्चर्य चकित रह गया। उसने प्रसन्न होकर हाथी नाना को इनाम में दे दिया।

भाषा-ज्ञान

1. क. आलसी ख. ऊपर
   ख. आशा घ. दुखी
   ङ. गलत च. मालिक
2. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 11 - चतुर मच्छर (कहानी)

लिखित

1. क. शेर के
   ख. भिन-भिन
   ग. शेर के कान में
   घ. सात दिन में

2. क. क्योंकि वह बहुत निर्दयी था।
   ख. क्योंकि मच्छर शेर के कान में भिन भिन करने लगा।
   ग. अपने ही पंजे लगने से शेर दर्द से तड़पने लगा।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए
2. क. सात — एक जंगल में सात खरगोश रहते थे।
   साथ — खरगोश कछुए के साथ चला गया।
   ख. हंस — एक तालाब में गुलाबी हंस रहता था।
   हँस — हँस मत राजू, बात सुन।
   ग. ओर — चारों ओर पवन बहती है।
   और — मैं और तुम अच्छे मित्र हैं।
3. क. जानवर — पशु
   ख. मुश्किल — कठिनाई
   ग. गुस्सा — क्रोध
   घ. क्षमा — माफी

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 12 - हम हैं सूरज-चाँद-सितारे (कविता)

लिखित

1. क. सूरज चाँद सितारे
   ख. 4
   ग. द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
2. क. इन पंक्तियों का अर्थ है कि हम सब की एक छत आसमान है तथा एक साँस पवन है।
   ख. पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण।
3. स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए
2. ताल — सरोवर वृक्ष — पेड़
   वन — जंगल दोस्त — मित्र
3. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 13 - नन्हा बीज (कहानी)

लिखित

1. क. जमीन के नीचे ख. टप-टप, खट-खट
   ग. बाहरी दुनिया खूबसूरज होती है घ. रात
2. क. खिड़की से झाँककर बारिश की बूंद ने कहा— ''मैं बारिश की एक बूँद हूँ। दरवाजा खोलो, मैं अन्दर आना चाहती हूँ।''

ख. नन्हें बीज के मन में बाहरी खूबसूरत दुनिया देखने का लालच आ गया।

ग. अंदर आते ही दोनों ने नन्हें बीज को अपने हाथों में उठा लिया।

घ. नन्हें बीज ने धरती पर आकर रंग-बिरंगे फूलों वाला सुन्दर बगीचा देखा।

भाषा-ज्ञान

1. क. नीचे - ऊपर
   ख. दिन - रात
   ग. अंदर - बाहर
   घ. धरती - आसमान
   ङ. प्रसन्न - दुखी
   च. मीठी - कड़वी
2. सूरज, किरण, दरवाजा, खिड़का, फूल, घर

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 14 - सूरज और मुरगा (कविता)

लिखित

1. क. मुरगा ख. रंग रँगीले ग. चिड़ियों की
2. क. क्योंकि वह जी भरकर सोता रहा।
   ख. क्योंकि सूरज स्वयं निकलता है।
   ग. सूरज के आने पर रंग-रँगीले फूल खिल गए और चिड़ियों की लय गूँज उठी।
   घ. स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2.

ताल	तूल	तिल	तली
बाल	बिल	बालू	बाली
कल	काल	काला	काली
मल	माल	माला	माली

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 15 - भुलक्कड़ किसान (हास्यपद कहानी)

लिखित

1. क. छः ख. दोनों ग. भोलेपन
   घ. मुस्कराने
2. क. भुलक्कड़ ख. छः ग. घर
   घ. बाजार ङ. मुँह
3. क. ✗ ख. ✓ ग. ✗
   घ. ✓ घ. ✓ ङ. ✗
4. क. किसान ने अपनी पत्नी से ख. पत्नी ने किसान से
   ग. किसान ने अपनी पत्नी से
5. क. किसान अपने छः गधों पर अपने खेत की फसल ले जाता था।

ख. रास्ते में उसने सोचा कि गधों को गिन लिया जाए जिससे पता लग जाए कि कहीं कोई पीछे तो नहीं छूट गया।

ग. किसान इसलिए परेशान हो गया था क्योंकि उसका छठा गधा गया कहाँ।

घ. किसान को परेशान देखकर उसकी पत्नी बोली हो न हो आज भी कुछ भूल आए है। उसने पूछा ''क्या बात है? कुछ परेशान दिखाई दे रहे हो!''

ङ. अंत मे किसान ने अपनी सफाई में कहा ''देखो बात यह है कि दिनभर की दौड़-धूप मैं इतना थक जाता हूँ कि बस कुछ याद ही नहीं रहता।''

भाषा-ज्ञान

1.

संज्ञा	विशेषण
किसान	भुलक्कड़
गधा	कमजोर
बाजार	बड़ा
पानी	कोध्रित
बोरा	भारी

2. क. खेत ख. मंडी ग. चावल
   घ. बाजार ङ. फसल च. घर

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी कक्षा-3

पाठ 1 - होली आई (कविता)

लिखित

1. क. होली ख. पकवानों की
2. क. होली में लोग एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाते हैं।
   ख. होली में लोग जमकर गुझिया और इमरती खाते है।
   ग. होली रंगों का त्योहार है।
   घ. होली में हमारे मन में दुर्भावना नहीं होना चाहिए।

भाषा-ज्ञान

1. क. होली ख. रंग
   भोली संग
   गोली तंग
2. क. भाई ग. जाए
   ख. रोली घ. संग
3. द्वेष
   बच्च
   प्यार

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 2 – जान बची तो लाखों पाए

लिखित

1. क. कहानियों का ख. कमज़ोर
   ग. बाघ
3. क. छोटी
   ख. पोता
   ग. बाघ
   घ. तालाब
   ङ. गला
3. क. दादी पोते से खींझकर बोली, ''अरे बेटा! कहानी क्या सुनाऊ? इस टिपटिपा से जान बचे तब न!''
   ख. पोते ने पूछा, ''दादी! यह टिपटिपा कौन है? टिपटिपा क्या शेर, बाघ, हाथी से भी बड़ा और ताकतवर होता है?''
   ग. दादी छत से टपकते हुए पानी की तरफ देखकर बोलीं, ''हाँ बेटा! टिपटिपा न शेर से डरता है, न बाघ से। कोई किसी से डरे न डरे पर टिपटिपा से ज़रूर डरे।''
   घ. बाघ सोचा, ''यह टिपटिपा क्या बला है? ज़रूर यह कोई बड़ा जानवर है। तभी तो यह वृद्धा शेर, बाघ और हाथी से अधिक टिपटिपा से डरती है।
   ङ. बाघ ने धोबी को टिपटिपा समझा।

भाषा-ज्ञान

1. क. उसके
   ख. इस
2. क. सुनाती
   ख. मचल
   ग. डरता
   घ. भाग
3. क. स्त्रीलिंग ग. पुल्लिंग
   ख. पुल्लिंग घ. स्त्रीलिंग
   ङ. पुल्लिंग घ. पुल्लिंग

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 3 – सही जगह पर

लिखित

1. क. टाई ख. दोपहर को
   ग. जगह
2. क. मैं क्या करूँ मम्मी? मैं अपनी टाई ढूँढ़ रही थी।
   ख. अच्छा चलो, तुम नाश्ता करो।
   ग. आज तुमने अपनी टाई, जूते, पानी की बोतल, ड्रेस और बस्ता कहाँ रखे हैं।
   घ. मुझे क्या करना चाहिए मम्मी?
   ङ. देखो, हर चीज़ को रखने की एक जगह निश्चित करो।
   च. आज से मैं अपनी सारी चीज़ें ठीक जगह पर ही रखूँगी।
3. क. कमरे का सामान रिमझिम ने उलट-पुलट कर दिया था।

ख. रिमझिम ने सारा सामान बिखेर दिया था। ऐसे में कमरे में टाई ढूँढ़ना मुश्किल हो गया।

ग. रिमझिम की टाई मेज के नीचे पड़ी थी।

घ. ''आज से मैं अपनी सारी चीज़े ठीक जगह पर ही रखूँगी।'' रिमझिम ने मुस्कराते हुए से कहा।

ङ. स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. क. न् + आ + श + त् + आ

   ख. स् + आ + म् + आ + न

   ग. इ + स् + क् + ऊ + ल् + अ

   घ. ज् + अ + र् + ऊ + र् + अ + त् + अ

2. मामा, शेर, भेड़िया, चीता

   बकरी, मम्मी, दीदी, मछली

3. स्वयं कीजिए।

4. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 4 - डाकू अंगुलिमाल और बुद्ध

लिखित

1. क. डाकू　　ख. जंगल में

   ग. पत्ते　　घ. महात्मा बुद्ध की

2. क. बुद्ध ने सामने के पेड़ से चार पत्ते तोड़ लाने को कहा था?

   ख. बुद्ध ो पत्तों को पुनः जोड़ने को इसलिए कहा?

   ग. अंगुलिमाल ने ऐसा इसलिए पूछा क्योंकि बुद्ध ने उसे वापस पत्ते जोड़ने को कहा।

   घ. बुद्ध ने अंगुलिमाल से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बुद्ध ने उसे वापस पत्ते जोड़ने को कहा।

3. क. अंगुलिमाल एक क्रुर डाकू था।

   ख. अंगुलिमाल लोगों को मारता था और उनकी अंगुलियाँ काटकर उनकी माला बनाकर गले में पहना करता था।

   ग. यात्रियों को लूटना, उनकी जान ले लेना, अंगुलिमाल के लिए मानो हँसी-खेल था।

   घ. अंगुलिमाल उन्हें मार डालना चाहता था लेकिन जब उसने बुद्ध को प्यार से मुस्कराकर, उसका स्वागत करते देखा, तो उसका कठोर हृदय कुछ नरम पड़ था।

   ङ. ''जब तुम कोई वस्तु जोड़ नहीं सकते, तब फिर उसे तोड़ने का अधिकार तुम्हें किसने दिया? जब तुम्हारे पास किसी को जीवन देने की शक्ति नहीं है तो तुम किसी का जीवन कैसे ले सकते हो?''

भाषा-ज्ञान

1. क. (iii)

   ख. (iv)

   ग. (ii)

   घ. (i)

2. क. निर्दयी　　घ. ईश्वर

   ख. मुश्किल　　ङ. ताकत

   ग. हार　　च. पश्चाताप

3. अज्ञान — उपदेश
   असमय — उपकार
   अहिंसा — उपनाम
   बुद्धिहीन — मछलियाँ
   धनहीन — तितलियाँ
   संतानहीन — अंगुलियाँ

4. क. नरम
   ख. जोड़
   ग. घृणा
   घ. निडर

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 5 - सुखी आदमी की कमीज़

लिखित

1. क. वह बीमार है ख. सीटी
   ग. सैनिक
2. क. पूरे राज्य में खोजने पर भी कोई खुशी व्यक्ति नहीं खोजा जा सका। किसी को अपनी निर्धनता का दुख था तो कोई धनवान बनने और धन पाने की लालसा पाले हुआ था। किसी को पत्नी निधन का दुख था, तो किसी को शिकायत थी कि उसकी पत्नी जीवित क्यों है? किसी को संतान न होने का दुख था तो कोई संतान के कामों से दुखी था। वस्तुत: सब जन दुखी थे।
   ख. भिखारी ने खुद को सुखी बताया, लेकिन राज को उसकी कमीज़ इसलिए नहीं मिल सकती थी। क्योंकि उसके ऊपरी तन पर कोई वस्त्र ही नही था।
   ग. स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. क. दुखी घ. बीमार
   ख. धनवान ङ. अप्रसन्न
   ग. असंतुष्ट च. बुराई
2. ख. धन + वान
   ग. प्रसन्न + चित
   घ. निर्धन + ता
3. क. औलाद
   ख. सम्राट
   ग. जनता
   घ. अमीर

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 6 - गुलामी से मुक्ति (साहस कथा)

लिखित

1. क. क्रूर ख. काँटा ग. डर गया

घ. अखाड़े में

2. क. ✓
   ख. ✗
   ग. ✓
   घ. ✗
   ङ. ✓
   च. ✓
3. क. एण्ड्रोक्लीज एक गुलाम था। उसका मालिक उससे दिन-रात कोल्हू के बैल की तरह काम करवाता था।
   ख. गुफा में पहुँचकर शेर ने एण्ड्रोक्लीज पर हमला न करके अपना पंजा इसलिये आगे बढ़ा दिया क्योंकि एण्ड्रोक्लीज ने बड़े साहस से उसका काँटा निकाला जंगल में जड़ी-बूटियाँ लाकर-घिसी और घाव पर लगाई। दो-तीन दिन में शेर का घाव भर गया।
   ग. एण्ड्रोक्लीज की शेर से मित्रता जब हुई उसने शेर के पाँव का काँटा निकाल दिया था और उसका घाव भर दिया।
   घ. एण्ड्रोक्लीज को भूखे शेर के आगे इसलिये डाल दिया जिससे शेर उसे मार दे।
   ङ. एण्ड्रोक्लीज ने राजा को सारी कहानी सुनाई। सारी बातें सुनकर राजा बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने एण्ड्रोक्लीज को स्वतंत्र कर दिया। इस प्रकार शेर के साथ दया करने के बदले में शेर ने एण्ड्रोक्लीज को गुलामी से मुक्ति दिला दी।

भाषा-ज्ञान

1. क. जंगली ख. स्वतंत्र ग. पसंद
2. क. कोल्हू का बैल कविता घर में सारे दिन कोल्हू के बैल की तरह काम करती रहती है।
   ख. गले मे बाँहे डालना सोहन का कुत्ता आते ही सोहन के गले मे बाँहे डाल लेता है।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 7 - तेनाली का उपहार

लिखित

1. क. विदूषक ख. एक नगर ग. भूल गए
   घ. एक ऊँट ङ. राजा
2. क. ✗
   ख. ✓
   ग. ✓
   घ. ✓
3. स्वयं कीजिए।
4. क. (iii)
   ख. (iv)
   ग. (ii)
   घ. (v)
   ङ. (i)
5. क. तेनालीराम विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय के दरबार में विदूषक था।
   ख. राजा ने तेनाली को उपहार स्वरूप राजधानी के उत्तर में स्थित एक नगर दिया।
   ग. विजयनगी में व्यापारी अरब से आया था।
   घ. राजा ने व्यापारी को ऊँट देखने के लिए महल में बुलाया।

ङ. ऊँट को देखकर तेनालीराम ने मौका भाँपकर तुरन्त टिप्पणी की, "महाराज, मुझे तो लगता है कि यह ऊँट पूर्व जन्म में कोई राजा रहा होगा और इसने किसी दरबारी से किया अपना वादा पूरा नहीं किया होगा। इसीलिए ईश्वर ने इसे यह आकार दे दिया होगा।"

भाषा-ज्ञान

1. क. स्त्रीलिंग ख. पुल्लिंग
   ग. स्त्रीलिंग घ. पुल्लिंग
   ङ. स्त्रीलिंग च. पुल्लिंग
2. क. (iii)
   ख. (iv)
   ग. (i)
   घ. (v)
   ङ. (ii)
2. क. कोल्हू का बैल कविता घर में सारे दिन कोल्हू के बैल की तरह काम करती रहती है।
   ख. गले मे बाँहे डालना सोहन का कुत्ता आते ही सोहन के गले मे बाँहे डाल लेता है।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 8 – मैं बादल हूँ

लिखित

1. क. ये दोनों ख. वायु के ग. ये सभी
   घ. आदर ङ. सागर
2. क. ✓
   ख. ✓
   ग. ✗
   घ. ✓
   ङ. ✗
3. क. (iii)
   ख. (i)
   ग. (v)
   घ. (ii)
   ङ. (iv)
4. क. गरजता
   ख. सागर
   ग. किसान
   घ. भला
5. क. बादल साँवले और चिकने शरीरवाला है। बादल अपना रूप-रंग कई बार बदलता है।
   ख. बादल को लोग मेघ, घन, जलधर, नीरद आदि अन्य नामों से भी पुकारते हैं।
   ग. बादल सागर का पुत्र है सूर्य-पुत्री किरण उसकी माँ है।
   घ.
   ङ. सागर-पुत्र होने पर भी स्वभाव से बादल उनसे बिल्कुल भिन्न है। उसके पिता खारे स्वभाव के हैं। उसे तो आप जानते ही हैं। बादल तो खारे पानी को भी अमृत क तरह मीठी बनाकर संसार को देता है।

च. मैं परोपकारी जीव हूँ। मुझे सभी प्राणियों के सुख की चिन्ता लगी रहती है। किसानों की मुझे विशेष चिन्ता रहती है। किसान मेरा सच्चा मित्र है। वह मुझे आता देखकर फूला नही समाता। मुझे देखते ही वह खुशी से नाच उठता है। यह मैं ही हूँ जो नदियों, तालाबों, पोखरों को जल से भरता हूँ। झरनों की शोभा को भी मैं ही बढ़ाता हूँ। बागों के वृक्षों को मैं ही फलों से लादता हूँ। मैं रेगिस्तान को उपवन में बदल सकता हूँ। मेरे रूप पर रीझकर अनेक कवियों ने कविता की रचना कर डाली है। मैं जो जलकण धरती पर उड़ेलता हूँ, उन्हें वर्षा रानी की उपाधि भी कवियों ने ही दी है। यह तो है मेरा आकर्षक रूप। अब मैं तुम्हें अपने एक अन्य रूप से परिचित कराता हूँ। मेरा यह रूप बहुत भयंकर है। जब मैं अपने को संभाल नहीं पाता, तब मैं पृथ्वी पर बाढ़ ला देता हूँ। खेत-खलिहान, घर-मकान सभी पानी में डूब जाते हैं। तब मेरा मित्र किसान भी मुझे कोसने लगता है।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2. अमृत, आकर्षक, स्थिति, चिकना, दयालु, शोभा, स्वच्छन्द, संसार,
3. स्वयं कीजिए।
4. गुरुपर्व, लोहड़ी, पोंगल, बैसाखी, ओणम, दशहरा, क्रिसमस, दीपावली, रक्षाबंधन

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 9 - तारे (कविता)

लिखित

1. क. तारे　　ख. धरती　　ग. सूरज
2. क. सूरज की किरणें सोने-चाँदी के समान होती हैं।
   ख. सूरज ढल जाने पर अँधेरा हो जाता है।
3. 1. रात बीतने पर सपनों की
   2. जो सूरज चमकाता है,
   3. जो सोने-चाँदी की किरणें
   4. धरती पर फैलाता है।

भाषा-ज्ञान

1. क. तब　　ख. कल
   ग. मौन　　घ. सात
   ङ. रुलाता　　च. जीप
2. क. ✓
   ख. ✓
   ग. ✗
   घ. ✗

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 10 - लालबहादुर शास्त्री (जीवन परिचय)

लिखित

1. क. पं० जवाहर नेहरू　　ख. शास्त्री जी ने　　ग. ललिता देवी
   घ. विजय घाट

2. क. शारद प्रसाद श्री वास्तव
   ख. रामदुलारी
   ग. भगवान
   घ. जय जवान जय किसान
   ङ. शान्ति
3. क. नन्हे
   ख. लालबहादूर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर सन् 1904 ई० को वाराणसी के निकट मुगलसराय में हुआ था।
   ग. यहाँ उन्होंने सोखा की आदमी को अपना काम सदैव बिना फल की कामना किए बिना करना चाहिए और सदैव सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए।
   घ. ललिता देवी
   ङ. कि जो लोग दूसरों के दुख दर्द को जानने के लिए अपने दु:ख दर्द को भूल जाते है, वे सारी दुनिया के प्याारे होते हैं।

भाषा-ज्ञान

- क. संज्ञा
  ख. दो
  ग. दो
  घ. सर्वनाम
  ङ. विशेषता

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 11 - आसमान गिरा (कहानी)

लिखित

1. क. आम ख. आम ग. शेर
2. क. शेर ने चूजे से वहाँ ले चलने को कहा जहाँ आसमान का टुकड़ा गिरा था।
   ख. क्योंकि वे सभी मूर्ख साबित हुए।

भाषा-ज्ञान

1. क.
   ख.
   ग.
2. छोटा — बड़ा, आगे — पीछे, ऊपर — नीचे
   अंदर — बाहर, दूर— पास, हँसना — रोना

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 12 - पतंग और गुब्बारा (कहानी)

लिखित

1. क. गैस से ख. डोर से ग. काँच को
2. क. पतंग
   ख. हल्की
   ग. गैस

घ. दो

3. क. हम दोनों ही हवा पर निर्भर हैं।
   ख. पानी से हल्की चीज पानी में तैरती है।
   ग. हम दोनों ही डोर से बँधे हैं।
   घ. दोनों खुश होकर हवा मे उड़ने लगे।
4. क. क्योंकि इतनी ऊँचाई पर अपने आप को देखकर वह फले नहीं समा रही थी।
   ख. गुब्बारे की कटी पूँछ (लटकता हुआ धागा) देखकर पतंग उस पर हँसी।
   ग. काँच को बारीक पीसकर धागे पर लगाया जाता है, इस प्रकार माँझा बनाया जाता है।
   घ. गुब्बारे ने पतंग से कहा, ''मुझे तुम्हारी तरह किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। भले ही मेरी पूँछ कटी हो, पर उड़ तो अपने आप रहा हूँ न!..... हा..... हा..... हा..... हा।'' यह बात सुनकर पतंग आग-बबूला हो गयी।
   ङ. क्योंकि दोनो को उड़ने में हवा मदद करती है।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2. क. फूली न समाई
   ख. भीगी बिल्ली बन गया
   ग. डींगे मारने वाला
   घ. बाल भी बाँका
3. स्वयं कीजिए।
4. क. एक रंग-बिरंगी पतंग ऊँची उड़ रही थी।
      प्रियांशी किताब पढ़ रही थी।
   ख. उसे एक आवाज सुनाई पड़ी।
      अक्षिता अमन की बड़ी बहन है।
   ग. संदीप नीचे खड़ा है।
      मैं धीरे-धीरे पहाड़ पर चढा।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 13 - तीन मूर्ख (कहानी)

लिखित

1. क. कमजोर ख. नये घोड़े ग. सिक्का
2. क. क्योंकि वह सोचता था कि यादि वह लकड़ी के गट्ठर को घोड़े पर रख देगा तो घोड़ा मर जाएगा।
   ख. क्योंकि वहाँ अँधेरा था।
   ग. कहानी का अन्य शीर्षक ''हाज़िरजवाब बीरबल'' भी हो सकता है।

भाषा-ज्ञान

1. क. गए
   ख. जाएगा
   ग. कहा
   घ. दिया
2. स्वयं कीजिए।
3. क. ट्ठ — गट्ठर, चिट्ठी

ख. क्क — सिक्का, इक्का

ग. च्च — सच्चा, कच्चा

घ. स्त — रास्ता, जस्ता

4. क. हंस ख. ढूंढना

ग. कॉफी घ. हँसना

ङ. जंगल च. बॉल

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 14 - वृक्ष (कविता)

लिखित

1. क. धरती से ख. पानी ग. फूल
2. क. नन्हे बीज के वृक्ष बनने पर तने, डालियाँ, पत्ते आए और फूल मुस्कराए।

ख. वृक्ष का अधर धरती में समाता है।

ग. चिड़िया वृक्ष पर आकर सुबह-शाम चीं चीं चीं करती हैं।

घ. वृक्ष हमें ऑक्सीजन देते हैं; छाया देते हैं; कागज, फर्नीचर भी वृक्षों की लकड़ी से बनता है। इस प्रकार हमारे बहुत काम आते हैं।

ङ. वृक्ष दुख आने पर रोता है।

भाषा-ज्ञान

1. क. लिखित

ख. असत्य

ग. घृणा

घ. हानि

2. क. आँखें घ. टोलियाँ

ख. पत्ते ङ. डालियाँ

ग. रातें च. चिड़ियाँ

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 15 - कीमती पन्ने (उत्प्रेरक कहानी)

लिखित

1. क. अखबार पर ख. कूड़े पर ग. बच्चे
2. क. खेलकूद

ख. आदत

ग. कोतूहलवश

घ. पुस्तकें और कॉपियाँ

ङ. कॉपियाँ

3. क. ✓

ख. ✓

ग. ✗

घ. ✓

ङ. ✗

4. क. नमन ने स्कूल से आकर देखा कि दादा जी ने कूड़ेदान का कचरा अखबार पर फैला रखा है। वे उस कचरे में से कुछ समान बीनकर अलग कर रहे थे।

ख. नमन दादा जी के पीछे पीछे उनके कमरे मे गया वहाँ दादाजी पुरानी कॉपियों के फटे पुराने पन्ने को कैंची से काटकर सही आकार दे रहे थे।

ग. दादाजी पुरानी कॉपियों के कटे पुराने पन्नों को कैंची से काटकर सही आकार दे रहे थे।

घ. दादाजी नमन को गरीब बस्ती में इसलिये लेकर गए थे ताकि वह नमन को उसकी गलती का अहसास करा सके।

ङ. दादाजी से नमन को समझाया की ''बेटा, हमारे देश में ऐसे बहुत से बच्चे हैं जिनके पास पढ़ने के लिए पुस्तक भी नहीं है। वे पढ़ना चाहते है परंतु धन के अभाव के कारण पढ़ नहीं पाते है पुस्तक और कॉपिया नहीं खरीद पाते।''

भाषा-ज्ञान

1. क. अपने　　ख. उसके　　ग. मैं
   घ. आप　　ङ. मुझे
2. चाय — वाय　　अलग — अलग　　पिता — माता
   उछलने — कूदने　　बची — खुची　　धीरे — धीरे
   दिन — रात　　रोटी — वोटी　　मुँह — हाथ
   खाना — वाना　　अमीर — गरीब　　बड़े — बड़े
3. क. पुस्तक — पुस्तकें　　ख. किताब— किताबें　　ग. पन्ना — पन्नें
   घ. कॉपी — कॉपियाँ　　ङ. कमरा — कमरें　　च. बस्ती — बस्तियाँ
   छ. पैसा — पैसें　　ज. खुशी — खुशियाँ
4. क. हार　　ख. अस्त　　ग. झूठ
   घ. अवगुण　　ङ. उत्तर
5. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 16 - पेड़-पौधों का महत्व (लेख)

लिखित

1. क. प्यारी　　ख. ऑक्सीजन　　ग. गुण
   घ. नीम
2. क. मित्र
   ख. दातुन
   ग. उपहार
   घ. ईंधन
   ङ. ऑक्सीजन
3. क. ✓
   ख. ✗
   ग. ✓
   घ. ✗
   ङ. ✓

4. क. रिंकी की माँ ने नीम की पत्तियों को पानी में अच्छी तरह उबालकर उसी पानी से स्नान कराया।
   ख. पेड़-पौधे हमें जीने के लिए ऑक्सीजन देते है। तथा हमें भोजन, फल-सब्जियाँ तेल मसाले दवाईयाँ इत्यादि देते हैं।
   ग. लकड़ी का उपयोग हवन के लिए तथा इसकी टहनियों से दातुन बनती हैं।
   घ. पेड़-पौधे पशु-पक्षियों के लिये भी उपयोगी है पेड़ो की छाया में आराम करते है बहुत से पक्षी पेड़ो की डालियों पर ही घोंसला बनाते हैं।

भाषा-ज्ञान

1. क. सहेली — सहेलियाँ ख. कीड़ा — कीड़े
   ग. दवाई — दवाईयाँ घ. दाना — दाने
   ङ. पत्ती — पत्तियाँ च. पौधा — पौधे
   छ. डाली — डालियाँ ज. पत्ता — पत्ते
   झ. लकड़ी — लकड़ियाँ ञ. घोंसला — घोंसले
2. क. त्त — पत्तियाँ, छत्ता ख. ब्ज — सब्जी, कब्ज
   ग. क्त — अतिरिक्त, वक्त घ. द्ध — शुद्ध, बुद्धि
   ङ. न्य — तान्या, न्याय च. च्छ — अच्छा, तुच्छ
   छ. च्च — बच्चा, सच्चा ज. न्न — प्रसन्न, भिन्न
3. क. ज़मीन ख. शुद्ध ग. लाभदायक
   घ. सहायता ङ. फूल
4. क. सम्मान ख. सामान ग. समान
5. क. राधा का परिवार बड़ा है।
   ख. मोहन और राम मित्र हैं।
   ग. हमें प्रत्येक की सहायता करनी चाहिए।
   घ. पेड़ो को भी वायु की आवश्यकता होती हैं।
   ङ. पेड़-पौधे हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी कक्षा-4

पाठ 1 - पुष्प की अभिलाषा

लिखित

1. क. देशभक्तों के पथ पर बिछना ख. मुझे तोड़कर वीरों के मार्ग में बिछा देना
   ग. देशभक्तों का
2. क. चाह नहीं मैं सुरबाला के, गहनों में गूँथा जाऊँ।
   ख. चाह नहीं सम्राटों के शव पर, हे हरि, डाला जाऊँ।
   ग. चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ। मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक।
3. क. फूल किसी शक्तिशाली या प्रसिद्ध व्यक्ति के शव पर स्वयं को.....
   ख. फूल वनमाली से प्रार्थना करता है कि मुझे तोड़कर मातृभूमि की सेवा कसे वाले वीरों के मार्ग फेंक देना।
   ग. फूल उस पथ पर बिछना चाहता है जिस पर वीर सैनिक चलते हों।
   घ. चाह नहीं मैं देवों के सिर पर, चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।

भाषा-ज्ञान

1. क. आभूषण — जेवर — अलंकार
   ख. फूल — कुसुम — सुमन
   ग. राह — रास्ता — मार्ग
   घ. सिर — मस्तक — शीर्ष
2. • जवाहर लाल नेहरू — अकबर — शाहजहाँ
   चौकीदार — कुम्हार — सिपाही
   दया — वीरता — बचपन
3. क. जाऊँ — इठलाऊँ — लहराऊँ
   ख. डाला — भाला — जाला
   ग. मर — हर — दर
   घ. होड़ — जोड़ — मोड़
   ङ. वाह — राह — आह
4. ख. वन + माली
   ग. सुर + वाला
   घ. बाल + मन

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 2 - बबलू की आइसक्रीम

लिखित

1. क. ताला — ख. दफ्तर
   ग. मिट्टू — घ. ऐरो-मॉडलिंग के लिए
2. क. बैग
   ख. मेज
   ग. कोमल
   घ. सिसकियाँ
   ङ. आँसुओं
3. क. बबलू को घर के बाहर बैठकर माँ का इंतजार इसलिए करना पड़ा क्योंकि वह दफ्तर गई थी। और के द्वार पर ताला लगा था।
   ख. बबलू उकताए हुए स्वर में बोला, ''उफ़! माँ आपने कितनी देर लगा दी! मैं कब से आपकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ? तुम्हें पता है। कि मुझे कितनी ज़ोर की भूख लगी है? मेरे पेट में चूहे दौड़ रहे हैं।''
   ग. खाना खाते-खाते बबलू अपने पापा के विषय में सोचने लगा।
   घ. बबलू ने बताया, ''माँ, पता नहीं क्यों आज मुझे पापा की बहुत याद आ रही है। पापा को भगवान ने अपने पास क्यों बुला लिया?'' यह सुनकर माँ ने बबलू को गले लगा लिया और उनकी आँखें आँसुओं से लबा-लब भर गईं।
   ङ. बबलू ने अपनी गुल्लक से पैसे आइसक्रीम खरीदने के लिए निकाले।

भाषा-ज्ञान

1. बैठे-बैठे — हाल-चाल — हाथ-मुँह
   खाते-खाते — अलग-अलग — आते-आते
   मिल्क-शेक — लबा-लब — छोटे-छोटे

2. बाथरूम स्कूल फ्रूट पर्स
फ्लेवर मिल्क-शेक ऐरो-मॉडलिंग चॉकलेट
किचन

3. क. अत्यधिक गुस्सा होना
ख. किसी महान व्यक्ति को बुरा-भला कहना
ग. दोस्त के रूप में दुश्मन
घ. एक वस्तु के अनेक चाहने वाले

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 3 - मिट्ठू

लिखित

1. क. सरकस कंपनी ख. मिट्ठू के पास
ग. मिट्ठू
2. क. (✗)
ख. (✓)
ग. (✗)
घ. (✗)
ङ. (✓)
3. क. बच्चों के झुंड-के-झुंड सरकस के पशुओं की देखने आते थे।
ख. वह मिट्ठू के लिए घर से चने और केले लाता और उसे खिलाता। मिट्ठू भी उससे इतना हिल-मिल गया था कि बिना उसके खिलाए कुछ नहीं खाता था। इस तरह, दोनों में खूब दोस्ती हो गई।
ग. मालिक को अठन्नी दिखाकर गोपाल बोला, ''क्यों साहब, मिटठू को मेरे हाथ बेचेंगे?''
घ. चीते ने अपने पंजे से मिट्ठू को घायल कर दिया।
ङ. आखिर कंपनी के चलने का दिन भी निकट आ गया था। गोपाल बहुत रंजीदा था। वह मिट्ठू के कठघरे के पास खड़ा आँसू भरी आँखों से देख रहा था कि मालिक ने आकर कहा, ''अगर तुम मिट्ठू को पा जाओ तो क्या करोगे?'' गोपाल ने कहा, ''मैं उसे अपने साथ ले जाऊँगा, उसके साथ-साथ खेलूँगा, उसे अपनी थाली में खिलाऊँगा और क्या?'' मालिक ने कहा, ''अच्छी बात है। तो मैं बिना तुमसे अठन्नी लिए ही इसे तुम्हें दे देता हूँ।''
च. स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. मिट्ठू, मनीषा, ऐश्वर्या, गोपाल
बंदर, मालिक, चीता, भालू, शेर, मदारी
2. • गोपाल प्रतिदिन मिट्ठू के पास घंटों बैठा रहता। उसे शेर, भालू, चीते आदि से कोई प्रेम न था। वह उसके लिए घर से चने, केले लाता और खिलाता। वह भी गोपाल से इतना हिल-मिल गया था कि बिना उसके खिलाए कुछ नहीं खाता था।
3. क. (iv)
ख. (i)
ग. (ii)
घ. (iii)
4. क. उधर घ. पट्टी
ख. पानी ङ. कूदते

ग. सम्मान च. पिता

5. क. घृणा
   ख. आशा
   ग. मित्रता
   घ. बाहर

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 4 - वसंत का आगमन

लिखित

1. क. दानव ख. बच्चे
   ग. वसंत ऋतु घ. कुदाल से
2. क. कुदाल, बाग
   ख. टूटे रास्ते
   ग. पसीज
   घ. कहकहों
3. क. दानव अपने घर में लेटा हुआ था।
   ख. मधुर संगीत सुनकर दानव तुरंत उठ बैठा।
   ग. दानव ने अपने बाग में कुछ देखा, उस पर उसे विश्वास नहीं हो रहा था। बाग की चारदीवारी एक स्थान पर टूट गई थी। जिससे कुछ बच्चे बाग में घुस आए थे। पेड़ों के आस-पास बच्चे प्रसन्नता से नाच रहे थे और पेड़ों की शाखाएँ झूम-झूमकर उनका स्वागत कर रही थीं।
   घ. पेड़ों में नई कोपलें निकल आई थीं और कलियों से फूल झाँकने लगे थे। चारों ओर रंग-बिरंगे फूल अपना सिर उठाए मुस्करा रहे थे।
   ङ. बच्चों की खिलखिलाहट और पक्षियों के चहचहाने से बाग में मनोरम दृश्य उत्पन्न हो गया था।

भाषा-ज्ञान

1. क. मधुर स्वर
   ख. भयानक आवाज
   ग. ऊँची चारदीवारी
   घ. नई कोंपले
   ङ. शुष्क हवाएँ
   बंदर, मालिक, चीता, भालू, शेर, मदारी
2. क. दहाड़ता है।
   ख. चिंघाड़ता है।
   ग. रँभाती है।
   घ. रेंकता है।
   ङ. मिमियाती है।
   च. फुंफकारता है।
3. क. शाखा ङ. कली
   ख. बगीचे च. चिड़ियाँ
   ग. हवाएँ छ. बच्चा
   घ. कोपल ज. ऋतुएँ

4. क. आगे बढ़ा।
   ख. खड़े हुए।
   ग. उछलने-कूदने लगा।
   घ. झूम उठीं।
   ङ. लिपट गया।
5. क. चिंताजनक
      सविधाजनक
   ख. प्रसन्नतापूर्वक
      दुखपूर्वक
      प्रेमपूर्वक
   ग. भलाई
      पंडिताई
      चतुराई

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 5 - बुरी संगति का परिणाम

लिखित

1. क. बरगद का ख. कालू
   ग. सरोवर में घ. हंस को
   ङ. कुसंगति का
2. क. कानन बन के बीचों-बीच एक सरोबर था।
   ख. सरोवर में धौलू नामक एक हंस रहता था।
   ग. कालू तथा धौलू बरगद की खाखाओं पर बैठे बातें कर रहे थे।
   घ. हंस को इस कार्य में बड़ा कष्ट हो रहा था।
   ङ. बीट मुँह पर गिरते ही यात्री की निद्रा भंग हो गई।
   च. बेचारा हंस फड़फड़ाता हुआ यात्री के सामने आ गिरा।
3. क. बरगद के एक विशाल वृक्ष पर कालू कौवा रहता था।
   ख. हंस सरोवर में रहता था।
   ग. कौवा दुष्ट स्वभाव का था जबकि हंस निश्छल स्वभाव का था।
   घ. क्योंकि जिससे यात्री को धौलू पर क्रोध आ जाए और उसका अहित कर दे।
   ङ. हंस बेचारा परोपकारी होते हुए भी कालू की कुसंगति में रहकर उसके ईर्ष्यालु आचरण और बुरी हरकत से अपना जीवन गँवा बैठा। अत: बुरे व्यक्तियों की संगति में नहीं रहना चाहिए।
   च. हंस को कौवे की हरकतों की सज़ा भुगतनी पड़ी।

भाषा-ज्ञान

1. क. तेज़
   ख. कौवा
   ग. नींद
   घ. मुँह
   ङ. जुगत
   च. सूरज

3. क. दोस्ती बंधुत्व भाईचारा
   ख. पेड़ तरू विटप
   ग. राही प्रवासी पथिक
   घ. रवि भानु भास्कर
4. आर्थिक
   सामाजिक शरीरिक
   धार्मिक साप्ताहिक

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 6 - मेहनत रंग लाई

लिखित

1. क. यशराज ख. शिकार का
   ग. विश्वासपात्र घ. मेहनत का
2. क. (✓)
   ख. (✗)
   ग. (✗)
   घ. (✗)
   ङ. (✓)
3. क. राजा कर्मठ थे जबकि उनक बेटा आलसी था।
   ख. समय मिलने पर राजकुमार पशु-पक्षियों का शिकार करता था।
   ग. राजा उसे समझाते– ''किसी भी जीव की हत्या करना उचित नहीं है। हम कौन होते हैं, उन्हें जान से मार देने वाले? मैं राजा हूँ, मनुष्यों की रक्षा करना मेरा कर्त्तव्य है। साथ ही, इन मूक प्राणियों की ज़िम्मेदारी भी मेरी है।
   घ. दीवान ने दो-तीन बार अपनी बात दोहराई, तब राजा ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी। ''मैं कब तक, काम करूँगा। मेरा बुढ़ापा निकट है। राज-काज सँभालने वाला कोई तो होना चाहिए। राजकुमार बिलकुल भी काम नहीं करना चाहता है।'' बोलते-बोलते राजा की आँखों में आँसू आ गए।
   ङ. दीवान ने राजकुमार को प्रतियोगिता जीतने के लिए प्रेरित किया। वह प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहा।

भाषा-ज्ञान

1. ख. नम्र विनम्रता
   ग. नित्य कृत्य
   घ. स्वभाव स्वप्न
   ङ. भट्टी गिट्टी
2. पैसे चेहरे आँखें
   तलवारें चिड़ियाँ प्रतियोगिताएँ
3. रानी बेटी राजकुमारी
   कवयित्री हिरनी महोदया

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 7 - सच्चे वीर

लिखित

1. क. संकट को ख. वीरता
   ग. निखर जाते हैं घ. वन में पाँव जमाना

2. क. (✓)
   ख. (✗)
   ग. (✓)
   घ. (✗)
   ङ. (✓)
3. क. स्वयं कीजिए।
4. क. (ii)
   ख. (iv)
   ग. (i)
   घ. (v)
   ङ. (iii)
5. क. वीर साहसी व्यक्ति अपना जीवन व्यर्थ में नहीं बिताते।
   ख. सच्चे वीर की परीक्षा कठिन परिस्थितियों में होती है।
   ग. सफलता पाने के लिए वीर आकाश-पाताल भी छान सकता है।
   घ. जिस प्रकार आँच में तपकर सोना ओर निखर जात है उसी प्रकार कठिनाई की ऑच में वीर का पराक्रम भी बढ़ जाता है।

भाषा-ज्ञान

2. क. सुंदर — ख. विशाल
   ग. शीतल — घ. महत्वपूर्ण
   ङ. शांत — च. पीला
3. क. है
   ख. हैं
   ग. है
   घ. हैं

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 8 - हमारा संकल्प

लिखित

1. क. बरगद को — ख. पेड़
   ग. रहने का स्थान — घ. स्वार्थ
   ङ. हरा-भरा
2. क. (✓)
   ख. (✓)
   ग. (✗)
   घ. (✗)
   ङ. (✓)
3. क. आए है।
   ख. खाएँगे।
   ग. समझेंगे
   घ. पीयेंगे
   ङ. लगाएँगे।
4. क. (iii)
   ख. (iv)
   ग. (ii)
   घ. (v)

ङ. (i)

5. क. वृक्षों की अंधाधुंध कटाई चिन्ता का कारण था।
   ख. क्योंकि पेड़ों से ही मनुष्य को प्राणदायक वायु मिलती है।
   ग. पशु-पक्षियों को पेड़ों पर रहने की जगह मिलती है।
   घ. पेड़-पौधे हमारे वातावरण को हरा-भरा रखते हैं।
   ङ. बच्चे यह संकल्प लेते हैं कि हम यह सन्देश जन-जन तक पहुँचाएँगे। अब तो कानून भी बन गया है, जिसके अनुसार हरे वृक्षों को काटना अपराध है।

भाषा-ज्ञान

1. • विशालता हरियाली
   मिठास बचपन एकता बुढ़ापा
   ङ. हरा-भरा
2. क. अपना, चमकाता, छूता, धरे, झुकने, आती
   ख. सपना, बिखराता, बूता, भरे, रुकने, लाती
3. क. पहाड़ ख. गृह
   ग. गगन घ. जल
   ङ. चंद्रमा च. सम्मान
   छ. तटिनी ज. सोम

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 9 - न्यायमन्त्री

लिखित

1. क. शिशुपाल ख. सत्कार
   ग. राजा के पास चलने का आग्रह घ. धूम मच गई
   ङ. राजा
2. क. (✗)
   ख. (✓)
   ग. (✗)
   घ. (✗)
   ङ. (✓)
3. क. पवित्र
   ख. डंका
   ग. न्याय
   घ. पराधी
   ङ. ईश्वर
4. क. (iii)
   ख. (iv)
   ग. (ii)
   घ. (v)
   ङ. (i)
5. क. वह परदेसी सम्राट अशोक थे। वह इस बात पर चिढ़े जब शिशुपाल ने कहा ''आजकल बहुत अन्याय हो रहा है। मेरा तो खून खौल उठता है।''
   ख. राजा ने शिशुपाल को अपना न्यायमन्त्री इसलिए नियुक्त किया क्योंकि शिशुपाल ने कहा था कि यदि मुझे अवसर दिया जाए, तो मैं न्याय का डंका बजा दूँगा।

ग. क्योंकि वे शिशुपाल की परीक्षा लेना चाहते थे।

घ. न्यायमन्त्री का संकेत पाकर एक कर्मचारी सम्राट अशोक की सोने की मूर्ति लेकर उपस्थित हो गया। न्यायमन्त्री ने खड़े होकर कहा, ''सज्जनो! यह सच है कि मैं न्यायमन्त्री हूँ। यह भी सच है कि अपराधी को दण्ड मिलना चाहिए। परन्तु अपराधी और कोई नहीं स्वयं सम्राट हैं। शास्त्रों में राजा को ईश्वर का रूप माना गया है। इसलिए उसे ईश्वर ही दण्ड दे सकता है। अतएव मैं आज्ञा देता हूँ कि सम्राट को चेतावनी देकर छोड़ दिया जाए और उनके स्थान पर उनकी इस सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटका दिया जाए, जिससे लोगों को शिक्षा मिले।''

ङ. स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

1. क. दक्षिण — ङ. विदेश
   ख. अशिक्षा — च. अपमान
   ग. पराया — छ. निराशा
   घ. अधिकार — ज. नुकसान
2. क. जातिवाचक संज्ञा — ख. जातिवाचक संज्ञा
   ग. भाववाचक संज्ञा — घ. भाववाचक संज्ञा
   ङ. जातिवाचक संज्ञा — च. जातिवाचक संज्ञा
   छ. व्यक्तिवाचक संज्ञा — ज. व्यक्तिवाचक संज्ञा
3. क. गोवर्धन — धनी — धनवान
   ख. डरपोक — डरावना — निडर
   ग. देशहित — देशभक्त — देशीय
   घ. आशावादी — आशातीत — आशावान

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 10 - खरगोश के मित्र

लिखित

1. क. दम — ख. सींगों से
   ग. खुरदरी
2. क. (✗)
   ख. (✓)
   ग. (✓)
   घ. (✓)
   ङ. (✗)
3. क. (v)
   ख. (iv)
   ग. (ii)
   घ. (iii)
   ङ. (i)
4. क. खरगोश के घोड़ा, बकरा, बैल, भेड़ मित्र थे।
   ख. खरगोश को अपने मित्रों को परखने का मौका तब मिला जब वह खुद संकट में पड़ गया।
   ग. स्वयं कीजिए।
   घ. बैलने खरगोश से बहाना बनाया ''भाई खरगोश! मैं तुम्हारी सहायता अवश्य करता, मगर इस समय मेरे कुछ दोस्त बहुत बेचैनी से मेरा इन्तज़ार कर रहे होंगे, इसीलिए मुझे वहाँ जल्दी पहुँचना है।

भाषा-ज्ञान

1. क. खारा
   ख. गहरी
   ग. तेज
   घ. दो
   ङ. ऊँचा
2. क. मछलियाँ ख. केकड़े
   ग. तितलियाँ घ. पौधे
   ङ. नदियाँ च. घोड़े
   छ. डालियाँ ज. झींगें
3. क. में
   ख. से
   ग. के
   घ. की
   ङ. अरे
   च. ने

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 11 - नारियल का प्रदेश

लिखित

1. क. दक्षिण ख. हरित प्रदेश
   ग. तिरुअनन्तपुरम
2. क. (✗)
   ख. (✓)
   ग. (✗)
   घ. (✗)
   ङ. (✓)
3. क. प्राकृतिक
   ख. नारियल
   ग. रंगोली
   घ. मलयालम
4. क. (iii)
   ख. (iv)
   ग. (ii)
   घ. (vi)
   ङ. (i)
5. क. भगवान, प्रभु, ईश ख. मेघ, जलधर, जलद
   ग. पर्यावरण, वातावरण, कुदरत घ. पानी, नीर, द्रव
   ङ. माँ, जननी, जगदम्बा

भाषा-ज्ञान

1. क. बिलाव ख. आईना

ख. सफेद

2. क. स्वयं कीजिए।

3. क. दयावान दयानिधान दयालु

ख. प्रसन्नता प्रसन्नचित्त प्रसन्नभुद्र

ग. क्षमाशील क्षमादान क्षमायाचना

घ. रंग रंगीन रंगभेद

ङ. सत्यवान सत्यवादी सत्यनिष्ठ

4. क. केरल के लिए 'ईश्वर का प्रदेश', 'हरित प्रदेश' एवं 'प्रकृति का स्वर्ग' आदि नामों का प्रयोग किया गया है। इसकी राजधानी तिरुअनन्तपुरम है।

ख. तिरुअनन्तपुरम केरल की राजधानी है। केरल में हरे-भरे जंगलों की बहुतायत है। सड़कों के दोनों ओर चाय, रबर, इलायची और काली मिर्च के बागान देखते ही बनते हैं। यहाँ स्थित लहलहाते खेत और नारियल के वृक्ष बहुत सुन्दर लगते हैं। नारियल यहाँ की प्रमुख पैदावार है।

ग. इस दिन लोग अपने-अपने घर के सामने रंगोली सजाते हैं। घर को फूलों से सजाया जाता है। सब लोग नए कपड़े पहनते हैं। घाघरा-चोली पहने और बालों में वेणी सजाए महिलाओं की शोभा देखते ही बनती है। घर में तरह-तरह के पकवान बनते हैं।

घ. त्रिचुर में मनाए जाने वाला 'पुरम' उत्सव भी बहुत प्रसिद्ध है। शानदार आतिशबाज़ी, छत्रयुक्त हाथियों की परेड और छाता प्रतियोगिता इस उत्सव का प्रमुख आकर्षण होते हैं। दूर-दूर से हज़ारों लोग त्रिचुर के इस उत्सव को देखने पहुँचते हैं।

ङ. कथकली नृत्य केरल की पहचान है। यह नृत्य आसान नहीं होता। वर्षों तक अभ्यास करने के बाद ही नर्तक इसमें प्रवीण हो पाते हैं। यह नृत्य करने वाले नर्तक विशेष प्रकार के रंग-बिरंगे मुखौटे और वस्त्र पहनकर नाचते हैं।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 12 – गुरु महाराज का आगमन

लिखित

1. क. धनी ख. दूसरे कोने में

ग. पसीना

2. क. (✓)

ख. (✗)

ग. (✓)

घ. (✗)

ङ. (✓)

3. क. (iii)

ख. (i)

ग. (ii)

घ. (v)

ङ. (iv)

4. क. गृहस्थ

ख. पानी

ग. अकस्मात्

घ. उपद्रव

ङ. छलनी

5. क. लल्लू की माँ का नाम नन्दरानी था। लल्लू की माँ की बहुत इच्छा थी कि अपने गुरू महाराज को उसमें लाकर उनके चरणों की रज से घर को पवित्र करे।
   ख. गहरी रात में अकस्मात् उनकी नींद उचट गई। छत से पानी टपक रहा था— उनकी तोंद तर हो रही थी। ओह! वह पानी कितना ठण्डा था! वे हड़बड़ाकर पलंग से उठ पड़े।
   ग. जब चारों कोनो से पानी टपकने लगा तो गुरूजी ने बेंच की शरण ली।
   घ. एकाएक एक नया उपद्रव उठ खड़ा हुआ। बड़े-बड़े मच्छरों ने जाने कहाँ से आकर उनके कानों के पास भिनभिनाना शुरू कर दिया।
   ङ. गुरूजी बरामदे में इस सिरे से उस सिरे तक भागने लगे और इस जाड़े की ऋतु में भी उनकी देह से पसीना छूटने लगा।

भाषा-ज्ञान

1. क. माता ख. सेठानी
   ग. महारानी घ. युवती
   ङ. माली च. साम्राजी
   छ. अभिनेता ज. विदुषी
   झ. कवि ञ. बेगम
2. क. खड्ड उड्डयन गड्डी
   ख. चम्मच अम्मा निकम्मा
   ग. सच्चा सच्चाई बच्चा
   घ. महत्ता गत्ता छत्ता
   ङ. डिब्बा नब्बे खब्बा
3. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 13 - अनोखा इलाज (कहानी)

लिखित

1. क. वे खूब डटकर खाते थे, पर व्यायाम तनिक भी न करते।
   ख. एक स्थान पर खड़े न रहें।
   ग. फर्श गर्म था।
2. क. सेठ जी को सारी सुख सुविधाएँ उपलब्ध थीं।
   ख. एक दिन सुबह एक बूढ़े हकीम सेठ जी के पास आए।
   ग. पूड़ी और पराठे मुझे बेंहद पसंद हैं।
   घ. सेठ जी उछलने-कूदने के सिवा क्या करें।
   ङ. उचित खानपान और नियमित व्यायाम से वे कुछ ही दिनों में स्वस्थ हो गए।
3. क. उचित
   ख. उचित
   ग. ✓
   घ. ✓
4. क. क्योंकि उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं था।
   ख. क्योंकि उन्होने उन्हे शारीरिक श्रम करने की सलाह नहीं दी।
   ग. हकीम जी ने शर्त रखी कि मेरे इलाज पर आप नाराज नहीं होंगे और इलाज एक सुनसान जगह पर किया जाएगा।

घ. हकीम जी ने सेठ जी को एक गर्म फर्श पर खड़ा करवा दिया जिबसे वह उस पर उछल कूद करते रहे और उनका पसीना बहने लगा। इस प्रकार शारीरिक श्रम करके वह स्वस्थ हो गए।

ङ. क्योंकि हकीम ने उन्हें गर्म फर्श पर खड़ा करवा दिया था।

भाषा-ज्ञान

क. स्वस्थ　　ख. अनिश्चित

ग. दुखी　　घ. स्वीकृत

ङ. प्रशंसा　　च. उचित

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 14 - सुख की कुंजी (कविता)

लिखित

1. क. बहुत गर्मी पड़ रही है।　　ख. छाया को भी छाया प्राप्त नहीं है

   ग. कष्ट झेलने से सुख मिलता है

2. क. ✓　　ख. ✓　　ग. ✓

   घ. ✗　　ङ. ✓

3. क. कविता 'सुख की कुंजी' में कवि का उद्देश्य भीषण गर्मी की तपन को ही सुख की कुंजी बताया है।

   ख. सूरज की भीषण गर्मी।

   ग. कविता में छाया जेठ की गर्मी, के कारण सिकुड़ रही हैं।

   घ. जो जितना कष्ट झेलते है उतना ही सुख पाते है।

   ङ. तपन को ही सुख की कुंजी कहा है क्योंकि सूरज की भीषण गर्मी से ही कुछ प्राप्त होता हैं।

भाषा-ज्ञान

1. क. अंबर　　ख. हरा　　ग. पक्षी
2. स्वयं कीजिए।
3. क. अंबर — आकाश, नभ　　ख. जग — संसार, विश्व

   ग. पक्षी — विहग, खग　　घ. जन — मनुष्य, लोग

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 15 - रानी चींटी (एकांकी)

लिखित

1. क. घमंडी　　ख. अपनी सेना के　　ग. कनखजूरा
2. क. बारिश　　ख. विश्राम　　ग. कीड़ा

   घ. संदेश　　ङ. छोटा

3. क. क्योंकि चीटियाँ देर से आई थी।

   ख. चीटिंयो ने बताया कि मार्ग में बाारिश का पानी भरा था।

   ग. रानी चींटी के कहने पर उसका मित्र कनखजूरा शेर के कान में घुस गया जिससे शेर दर्द से तड़पने लगा और रानी चींटी से क्षमा माँगने लगा, इस प्रकार रानी चींटी ने शेर को सबक सिकाया।

भाषा-ज्ञान

1. क. शेर

   ख. जानवर, शेर

ग. रानी चींटी, सेना

घ. कनखजूरा, शेर, कान

ङ. जंगल, जानवर

2. स्वयं कीजिए

3. क. लस्सी

ख. दुष्ट

ग. चिन्ह

घ. प्राण

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी कक्षा-5

पाठ 1 – आजादी की वर्षगाँठ

लिखित

1. क. सुलझाते ख. परिश्रम करते हैं ग. प्रकाश फैलाने से

2. क. देश बनाने के निमित्त श्रम को पथ अपनाते है।
आजादी की वर्षगाँठ है हर्ष बढ़ाने वाली।

ख. प्राणें से भी प्यारी, जिसके लिए लगी है
देश की करते रखवाली। आजादी की वर्षगाँठ है।

3. क. ✓

ख. ✓

ग. ✗

घ. ✗

ङ. ✓

4. क. युग-नभ से हम मिटा रहे हैं; युद्धमेघ अनहोने, स्वाभिमान के अग्रदूत हम हैं अनंत बलशाली की वर्षगाँठ है हर्ष बढ़ाने वाली।

ख. आजादी की वर्षगाँठ है हर्ष बढ़ाने वाली अंधकार को दूर भगाकर ज्योति जगाने वाली।

5. क. आजादी की वर्षगाँठ हमारी खुशी बढ़ाती है।

ख. 15 अगस्त को आजादी की वर्ष गाँठ मनाई जाती है।

ग. मित्रता से हम संसार के दुख, दुश्मनी सभी चीजों को हम मिटा सकते हैं।

घ. अंधकार को दूर भगाकर हम उजाला कर सकते है हमें अपने देश की आजादी शरीर से भी प्यारी है जिसके लिए सारी जिन्दगी हमारी शक्ति लगी है हम नन्हें वीर करते है देश की रखवाली।

भाषा-ज्ञान

1. क. स्वतंत्र — पराधीनता ख. बलशाली — दुर्बल

ग. हर्ष — दु:ख घ. वीर — कायर

ङ. अंधकार — प्रकाश च. मित्रता — शत्रुता

छ. अँधेरा — उजाला ज. दुश्मनी — दोस्ती

झ. जीवन — मृत्यु ञ. देश — विदेश

2. स्वयं कीजिए।
3. क. स्वाभिमानी
   ख. स्वावलंबी
   ग. अनुपम
   घ. गौरवशाली
   ङ. रखवाला
   च. अग्रदूत

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 2 – मारपीट का कोई लाभ नहीं

लिखित

1. क. मोहित ख. पीठ पर ग. शरारती
   घ. कीड़े
2. क. हड्डियाँ
   ख. अमित शर्मा
   ग. मजदूर
   घ. अक्ल
   ङ. मुंशी
3. क. ✗
   ख. ✗
   ग. ✓
   घ. ✓
4.

	किसने?	किससे कहा?
क.	अमित शर्मा ने	मोहित से
ख.	शिक्षक ने	मोहित से
ग.	अमित ने	सोहन लाल से
घ.	शिक्षक ने	अमित शर्मा से
ङ.	अमित शर्मा	मोहित से

5. क. इस एकांकी में तीन पात्र है- सोहनलाल - शिक्षक, अमित शर्मा - मोहित के पिता, मोहित - छात्र
   ख. कविता, इतिहास, व्याकरण, अंकगणित।
   ग. मोहित के उत्तर सुनकर शिक्षक बोला जान बची साहब इस लड़के को पढ़ाना मजदूर का कार्य है सोलह मैनुअल्लेबर तीन दिन एक लड़की को पीटकर मुझे सिर्फ पाँच रुपये मिलते है, उतनी ही मेहनत से कही छत-वत को पीटूँ तो कम-से-कम दस रुपये मिल ही जाएँगे।
   घ. मोहित ने 'कर्ता' का यह उदाहरण दिया जी, कर्ता तो उस टोले के रामलाल मुंशी जी है।
   ङ. अमित शर्मा ने यह निश्चय किया की आप अपनी बेंत सहित यहाँ से तशरीफ ले जाएँ। कुछ दिन मोहित की पीठ सुस्ता ले, मैं स्वयं ही इसे पढ़ाँऊगा।

भाषा-ज्ञान

1. क. छुट्टी करना– (समाप्त करना) नेहा ने राहुल की छुट्टी कर दी।
   ख. आग बबूला होना– (बहुत गुस्सा होना) सुरेश रमेश को देखकर आग बबूला हो गया।
   ग. नाक मे दम करना– (बहुत पेरशान करना) मोहन ने मैडम की नाँक में दम कर रखा है।
   घ. कुढ़ कर रह जाना– (अपने आप में घुटना) रामू की माँ कुढ़ कर रह गयी।

2. क. शिक्षक – गुरू, अध्यापक, मास्टर
   ख. पेड़ – वृक्ष, पादप, तरू
   ग. घर – गृह, भवन, सदन
   घ. वन – जंगल, विपिन, अरण्य

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 3 - काबुलीवाला

लिखित

1. क. रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ख. 17 वाँ
   ग. किशमिश और बादाम घ. कागज़ का टुकड़ा
2. क. अस्वाभाविक
   ख. माँ
   ग. विचित्र
   घ. मित्र
   ङ. विषाद
3. क. ✓
   ख. ✗
   ग. ✓
   घ. ✗
4. क. (iv)
   ख. (i)
   ग. (v)
   घ. (iii)
   ङ. (ii)
5. क. काबुलीवाले से पायल की मित्रता जब हुई जब वह अपना खेल छोड़कर खिड़की की ओर दौड़ी और चिल्लाने लगी ''काबूलीवाला! काबूलीवाला!'' कुछ दिन पश्चात में किसी कार्यवश घर से बाहर निकला तो देखकर चंकित रह गया कि पायल काबुलीवाले से खूब घुल मिलकर हँस बोल रही है। बाद में मुझे पता चला की काबुलीवाला और पायल की यह दूसरी भेट नहीं है अपितु उनकीमित्रता बहुत गहरी हो गई थी।
   ख. काबुलीवाला पायल के पिता से मेवे के दाम इसलिये नहीं लेता था क्योंकि काबुलीवाला पायल को अपनी बेटी जैसा समझता है।
   ग. काबुलीवाला अपनी बेटी के हाथ की छापवाला कागज अपने पास इसलिए रखता था क्योंकि वह जब भी कोलकाता की गलियों में माल बेचना जाता था तो उस नन्हें हाथों की छाप को सदैव हृदय से लगाकर रखता था।
   घ. पायल के विवाह के दिन काबुलीवाला इसलिए उदास हो रहा था क्योंकि जब काबुलीवाला और पायल पहली बार मिल थे। मैं विषाद से भर उठा। जब वह चली गई तो रहमान ने दीर्घ श्वास छोड़ा और फर्श पर बैठ गया। अचानक उसे ध्यान की आया की उसकी लड़की भी बड़ी हो गई होगी।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2. स्वयं कीजिए।
3. क. काबुलीवाला स्नेह प्रेम करने वाला व्यक्ति था।
   ख. काबुलीवाला बच्चों से बहुत प्रेम करता था।
   ग. काबुलीवाला झूठ नहीं बोलता था।

घ. काबुलीवाला पायल के लिए किशमिश बादाम लाता था।

ङ. काबुलीवाला पायल के पिता का सम्मान करता था।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 4 - ग्रामीण जीवन

लिखित

1. क. दिपांशु ख. ग्राम्य जीवन का ग. ईमानदार
   घ. दादा-दादी के
2. क. गाँव
   ख. इस बार मैं
   ग. मुनाफाखोर व्यापारियो।
   घ. सुविधाओं
   ङ. क्लीनिक
3. क. ✓
   ख. ✓
   ग. ✗
   घ. ✓
   ङ. ✓
4. क. भारत गाँवों में बसता है- बिल्कुल सत्य है मैंने यह अनुभव किया भारत का सच्चा सौन्दर्य भारत में ही है।
   ख. ये लोग हृदय से सीधे सच्चे और पवित्र होते हैं प्यार और स्नेह तो कूट-कूट कर भर होता है।
   ग. गाँव में ही मैंने प्रकृति का शुद्ध रूप देखा है सचमुच मुझे यहाँ के बाग बगीचे में बहुत आनंद आता है।
5. क. गाँव वाले के स्वभव मे हिमांशु अपने मित्र को पत्र का जवाब शीघ्रता से नहीं दे सका क्योंकि इस बार मैं गरमी की छुट्टियों में अपने दादा और दादी के पास गाँव चला गया था।
   ख. यहाँ लोगों में 'सादा जीवन उच्च विचार' की झलक दिखाई देती है। ये लोग हृदय से सीधे, सच्चे और पवित्र होते हैं। प्यार और स्नेह तो इनके अंदर कूट-कूट कर भरा होता है। छल-कपट से तो कोसों दूर रहते हैं। ये लोग बहुत ही ईमानदार और अतिथि का सत्कार करने वाले होते हैं।
   ग. हिमाशु गाँव में सुबह जल्दी उठ जाता था, फिर दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर दूध पीता और चाचा जी के साथ खेतों की ओर निकला जाता था।
   घ. गाँवों के अस्पतालों और विद्यालयों में सुविधाओं का अभाव है। नए रोजगार की खोज में ग्रामीण लोग शहर की ओर भाग रहे हैं।
   ङ. शिक्षा का अभाव गाँव की तरक्की न होने का मुख्य कारण हैं।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2.

सिंह	बाघ
नाव	तरणी
सरोज	पंकज

3. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 5 – ''राहूल द्रविड'' क्रिकेटर

लिखित

1. क. राहुल द्रविड़ को ख. 2005 ग. तृतीय
2. क. सेंट जोसेफ कॉलिज ऑफ
   ख. पंद्रह सालों तक
   ग. 2003 के विश्व कप
3. क. ✓ ख. ✗
   ग. ✓ घ. ✗
4. क. (iii) ख. (ii)
   ग. (i)
5. क. राहुल द्रविड़ का जन्म11 जनवरी, 1973 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर मे इनका जन्म हुआ।
   ख. बल्लेबाज बनना बचपन से ही राहुल द्रविड़ का सपना था।
   ग. 1996 ई० में राहुल द्रविड़ ने विश्वकप से अपने करियर की शुरूआत की।

भाषा-ज्ञान

1. क. खीलाड़ियों – खिलाड़ियों ख. किरकेट – क्रिकेट
   ग. गरवित – गर्वित घ. दुनिया – दुनिया
   ङ. बललेबाज – बल्लेबाज च. मशहुर – मशहूर
   छ. परतीभा – प्रतिभा ज. किपिंग – कीपिंग
2. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 6 – मनुष्य की नीयत में अन्तर

लिखित

1. क. आगरा नगर की ख. हाय! बकरी दो गाँव खा गई ग. गन्ने का
   घ. संशयपूर्वक ङ. पीपल का
2. क. मानवता
   ख. अच्छी, उन्नति
   ग. नीयत
   घ. खाने-पीने, आमदनी
   ङ. जोर-जोर, रोता-चिल्लाता
3. क. ✓ ख. ✗
   ग. ✓ घ. ✓
   ङ. ✗
4. क. बादशाह अकबर ने किसान से गन्ने का रस माँगा था।
   ख. किसान को चार आने लगान देना पड़ता था।
   ग. किसान ने बादशाह अकबर को गन्ने का रस एक बड़े लौटे में दिया था।
   घ. बादशाह अकबर ने एक पीपल का पत्ते पर दो गाँव देने का आदेश लिखा था।
   ङ. किसान ने घबराकर बादशाह से पूछा, कि ''मैंने कोई गलत बात तो नहीं कह दी?''

भाषा-ज्ञान

1. क. आदमी ख. विधुर
   ग. बादशाह घ. भाई
   ङ. श्रीमान च. शासव
2. क. भारत
   ख. रामायण
   ग. बीरबल
   घ. आगरा
   ङ. दरबार

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 7 - गौरैया

लिखित

1. क. आम का ख. चीं-चीं ग. तंग आ गए थे
   घ. असफल रहे
2. क. पक्षी
   ख. गुस्सा
   ग. दरवाजे
   घ. घौंसले
   ङ. गुमसुम
3. क. ✗ ख. ✗
   ग. ✓ घ. ✓
   ङ. ✗
4. क. नन्हीं गौरैया ने ख. पिता जी ग. माँ ने
5. क. इस कहानी के रचियता भीष्म साहनी है।
   ख. बैठक की छत से लगे पंखे के गोले में गौरैया ने अपना बिछावन बिछाया।
   ग. प्रारंभ में पिताजी को गौरैया भगाने में बहुत देर लगी।
   घ. नन्हीं गौरैया की चोंचों में मादा गौरैया ने चुग्गा डाला।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2. क. पटरा
   ख. सायं
   ग. घोड़ा
   घ. माम

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 8 - सुंदर जीवन जिओ

लिखित

1. क. सदा ख. भय ग. विश्वास

घ. स्नेह रस

2. क. रक्षक सभी का सत्य है,
जिसने इसे संग रख लिया।
उसका नहीं किसी का भय,
निश्चय उसकी होती विजय।।

ख. तुम सच कहो, सच ही जिआ,
आनंद के प्याले पिओ।
निश्चिंत और स्वमान,
सुंदर अपना जीवन जिओ।

3. क. ✓ ख. ✗
ग. ✗ घ. ✓
ङ. ✓

4. क. हालात अच्छे हो या बुरे इन स्थितियों में सत्य को साथ रखना चाहिए।
ख. झूठ बोलने से व्यक्ति का स्वाभिमान खत्म हो जाता है कोई भी व्यक्ति उसकी इज्जत नहीं करता हैं।
ग. सच बोलने वाला मनुष्य झूठ बोलने वाले मनुष्य से नाता नहीं जोड़ना चाहता हैं।
घ. अपने जीवन में अगर हम सच बोलते रहे तो हमारे जीवन को सुंदर और अच्छा बना सकते हैं।

भाषा-ज्ञान

1. क. जज्बात ख. मोड़ेगा
ग. रहस्य घ. जिओ

3. क. (v) ख. (iii)
ग. (ii) घ. (vi)
ङ. (i)
च. (iv)

क्रियात्मक गतिविधि
छात्र स्वयं करें।

पाठ 9 - 'मेट्रो मैन' श्रीधरन

लिखित

1. क. 1963 में ख. सात वर्ष ग. रेलमंत्री अवार्ड

2. क. केरल
ख. मेट्रो रेल
ग. कोलकाता
घ. प्रेरणा

3. क. ✓ ख. ✓
ग. ✗ घ. ✗

4. क. श्रीधरन को मेट्रो मैन के नाम से जाना जाता है।
ख. मात्र 46 दिन में श्रीधरन ने रामेश्वरम और तमिलनाडु को जोड़ने वाले पुल का पुनर्निर्माण किया।
ग. कोंकण को रेलवे लाइन से जोड़ना इसलिए मुश्किल था क्योंकि उन्हें दलदल और नदियों के रास्ते से 5000 हैक्टेयर जमीन पर 2000 पुल बनाने थे।
घ. श्रीधरन को निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया—1963 में उन्हें 'रेलमंत्री अवार्ड' तो 2013 में 'टाइम मैगजीन' ने उन्हें 'वन ऑफ एशियाज हीरोज़ की उपाधि से सम्मानित किया।'
ङ. श्रीधरन जिन्होंने अपनी योजना, बुद्धि और कार्यप्रणाली से भारत में सार्वजनिक परिवहन का चेहरा ही बदल दिया है। ये उनके चरित्र की विशेषतायें हैं।

भाषा-ज्ञान

1. दारी — ईमानदारी समझदारी

	इत	— सम्मानित	आश्चर्यचकित
	ई	— बुराई	चतुराई
	ता	— सफलता	विशेषता

2. स्वयं कीजिए।

3. क. दुष्कर ख. कुशाग्रबुद्धि ग. असंभव
   घ. प्रशंसनीय ङ. परिश्रमी च. अविश्वसनीय

4.

कठिन	सरल
विशिष्ट	साधारण
विश्वास	अविश्वास
संभव	असंभव
स्पष्ट	अस्पष्ट
प्रशंसा	निंदा

रचनात्मक कौशल

छात्र स्वयं करें

पाठ 10 – जलियाँवाला बाग में बसंत

लिखित

1. क. जलियाँवाला बाग ख. देश से ग. बिखराना
   घ. खून से

2. क. मिली हैं कंटक-कुल से, वे पौधे, वे पुष्प शुष्क हैं, अथवा झुलसे।।
   ख. परिमल ही पराग दान-सा बना पड़ा है, हाँ! यह प्यारा बाग ख़ून से पड़ा है।

3. क. ✗ ख. ✓
   ग. ✗ घ. ✗

4. क. बालकों के लिए कवयित्री कहना चाहती है कि छोटे बच्चे यहाँ पर गोली खाकर मरे थोड़े से फूल उनके लिए भी लेकर आना उम्मीदो से हमारा शरीर भी भरा हुआ है हमारा प्यारा परिवार-देशों से अलग हैं।
   ख. जलियाँवाला बाग को शोक स्थान इसलिए कहा गया है क्योंकि यहाँ पर बहुत लोगों का खून बहा था।
   ग. जलियाँवाला बाग मे पेड़ खून से सूने पड़े है।
   घ. तड़प-तड़प कर वृद्ध मरे।

भाषा-ज्ञान

1. क. वर्तमान काल
   ख. भविष्य काल
   ग. भूतकाल
   घ. भविष्य काल

2. **भूतकाल**
   क. मै कल स्कूल गया था।
   ख. कल मैं मैच जीत गया था

   वर्तमान काल
   क. मैं एक डायरी लिख रहा हूँ।
   ख. मैंने आज अपना काम किया।

   भविष्य काल
   क. कल हम लाल किला देखने जायेगे।
   ख. कल हम पतंग उड़ायेगें।

क्रियात्मक गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ 11 - स्वर्ग मे हड़ताल

लिखित

1. क. स्वर्ग में ख. गणेशजी के ग. माँ दुर्गा को
2. क. क्योंकि स्वर्ग में हड़ताल थी।
   ख. क्योंकि गणेशजी को पृथ्वीसाजी लम्बोदर कहते हैं।
   ग. क्योंकि प्रदूषण से आसमान की नीली छतरी मे छेद हो गए हैं।
   घ. क्योंकि नारद जी कृष्णजी को उदार कहकर संबोधित करते हैं।
   ङ. महेश जी ने पृथ्वी पर चारों ओर हरे-भरे वृक्ष लगाने को कहा जिससे प्रदूषण कम हो।

भाषा-ज्ञान

1. क. और
   ख. तो
   ग. इसलिए
   घ. लेकिन
2. क. शेर — कपि
   ख. समुद्र — सरोवर
   ग. पृथ्वी — गगन
   घ. गणेश — प्रजापति
   ङ. महादेव — माधव
3. क. मेरा अपना अलग मुद्दा है।
   ख. आपका हृदय अत्यन्त उदार है।
   ग. शेरों की खाल बेची जा रही है।
   घ. मानव ने तो बस हद कर दी है।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 12 - बुआजी की चिट्ठी

लिखित

1. क. खाली बैठे-बैठे ख. रबड़ का ग. छोटी मामी जी
   घ. गर्मी के लिए
2. क. सोच
   ख. खट्टा और मीठा
   ग. अंगूर, संतरे और
   घ. सामान
3. क. ✗ ख. ✗
   ग. ✓ घ. ✓
4. क. (iii) ख. (i)
   ग. (ii)
5. क. तनु सौरभ और दिशा तीनों अपने कमरे में उदास बैठे सोच रहे थे कि क्या उनकी गर्मी की सारी छुट्टियाँ

खाली बैठे-बैठे व्यतीत हो जाएँगी।

ख. सौरभ का पैर ट्यूब-वैल पर नहाते हुए फिसल गया था।

ग. जिसमे बड़ी-बड़ी दुकानों के साथ ऊँचे-ऊँचे झूले, घोड़ा-गाड़ी नट मदारी आदि कि साथ बहुत कुछ आने वाला था।

घ. आम का खट्टा आचार।

भाषा-ज्ञान

1. क. घर — गृह, भवन, निकेतन
   ख. बाग — पेड़, विटप, तरू
   ग. प्यार — प्रेम, स्नेह, अनुराग
2. क. सर्दी ख. नफरत ग. बूढ़े
   घ. प्रसन्न ङ. मायूस

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 13 - हम नन्हें-नन्हें बच्चे हैं

लिखित

1. क. नन्हें-नन्हें ख. पक्के ग. प्रण
   घ. ध्वजा
2. क. उमर
   ख. जनन
   ग. हिमगिरि
3. क. ✓ ख. ✓
   ग. ✗ घ. ✓
4. क. बच्चे अपनी धुन के सच्चे हैं।
   ख. अपना रास्ता कभी नहीं छोड़ेंगे।
   ग. बच्चे हिम्मत से नाता जोड़ने के लिए कह रहे हैं।
   घ. उम्र में छोटे होने पर भी ये बच्चे अपनी धुन के सच्चे हैं।
   ङ. अपना पथ कभी न छोड़ेंगे
   अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे
   हिम्मत से नाता जोड़ेगें
   हम हिमगिरि पर चढ जाएँगे
   भारत की ध्वजा उड़ाएँगे

भाषा-ज्ञान

1. बच्चे कच्चे छोड़ेगे तोड़ेगे
   धुन सुन डोलेंगे तोलेंगे
   जय भय सिर फिर
   पथ रथ नाता भाता
2. पथ — रास्ता, मार्ग प्रण — प्रतिज्ञा, संकल्प
   ध्वजा — झंडा, पताका ताकत — शक्ति, बल

क्रियात्मक गतिविधि

क. बच्चे अपनी प्रतिज्ञा न तोड़ने की बातकर रहे हैं।

ख. हिमालय पर चढ़ने की बात कर रहे हैं।

ग. हिमगिरि का अर्थ है हिमालय।

पाठ 14 – सभी धर्म समान

लिखित

1. क. संस्कृत के ख. रकाबी में ग. काँजीहौस
2. क. संस्कृत
   ख. धर्म
   ग. छुआ
   घ. मीठे
3. क. ✗ ख. ✗
   ग. ✓ घ. ✗
4. क. (v) ख. (iv)
   ग. (i) घ. (ii)
   ङ. (iii)
5. क. इब्राहीम चाचा लेखक के परिवार के साथ अच्छा व्यवहार करते थे।
   ख. चाचा को गुड़ बहुत पसन्द था और उनकी बोली भी बहुत मीठी थी। इसलिए हम सब हँसी में उन्हें चाचा कहते थे।
   ग. लेखक इब्राहीम चाचा अपनी रकाबी में रोटी रखकर हमारे घर आते और मुझे आवाज देकर कहते, ''बेटा जरा देखो तो तुम्हारे घर में कोई साग तरकारी बनी है? मैं दौड़ा-दौड़ा माँ के पास जाता और तरकारी, अचार तथा दूसरी अच्छी खाने की चीजों को थाली में रख देता। चाचा वह बैठकर मजे से खाते।''
   घ. हिन्दुओं की कुछ गायें और भैंसे चरवाही से मुसलमानों के कब्रिस्तान में घुस गई।

भाषा-ज्ञान

1.

अर्थ	वाक्य-प्रयोग
क. पिटाई करना	विजय ने अपने भाई की मरम्मत की दी।
ख. झगड़ा होना	मम्मी और पापा में तू-तू मैं-मैं होना।
ग. मर जाना	मुझे इस दुनिया में नहीं रहना।

2. धूल-मिट्टी आँख-नाक हेरा-फेरी
   जूते-चप्पल चाल-ढाल जान-पहचान
3. क. (iii)
   ख. (v)
   ग. (i)
   घ. (v)
   ङ. (ii)

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 15 – समय का हेर-फेर

लिखित

1. क. बारात ख. दो आने ग. ये सभी व्यवहार
   घ. जी-तोड़ मेहनत

2. क. आशा
   ख. चीख
   ग. सवारी
   घ. दो आने
   ङ. राजसी
3. क. ✗ ख. ✗
   ग. ✓ घ. ✓
   ङ. ✗

भाषा-ज्ञान

1. क. जी-जान से काम करना— (कढ़ी मेहनत करना) अनिता ने परीक्षा में जी-जान से काम किया।
   ख. दिमाग खराब होना— (बहुत गुस्सा आना) मोहित ने अमित का दिमाग खराब कर दिया।
   ग. हाथ बाँधे खड़े रहना— (किसी कार्य को मना करना) रोहन आलसी है काम करने के वजह हाथ बाँधे खड़े रहता है।
   घ. समय नष्ट करना— (अपना समय बर्बाद करना) मैंने खेल कूदने में अपना समय बर्बाद किया।
   ङ. लहू-पसीना एक करना— (कढ़ी मेहनत करना) राहुल ने लहु-पसीना एक कर दिया।
2. क. काला ख. बेईमानी
   ग. धोखेबाज घ. तिलक
   ङ. दयालु च. कठिन
3. | | सर्वनाम | विशेषण |
   |---|---|---|
   | क. | वह | मजदूर |
   | ख. | उसके | बूढ़ी |
   | ग. | मैं | बारात |
   | घ. | वह | आकाश |
   | ङ. | वह | पलौथी |
4. क. वह बोला हे प्रभू! तूने इन अभागों को क्यों पैदा किया।
   ख. मुझे पालकी से उतार दो। मै आराम करूँगा।
   ग. बारात के आगे चलने वाले नौकरों ने उससे कहा एक तरफ हट जा छोकरे।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 16 - पेड़-पौधे हमारा जीवन

लिखित

1. क. उपर्युक्त सभी की दुनिया ख. पृथ्वी पर पेड़-पौधे न होते
   ग. वनस्पति जगत का घ. इन सभी को
2. क. जड़ी-बूटियों
   ख. खाद
   ग. पुण्य, पाप
   घ. वृक्षारोपण की
   ङ. संरक्षण, संवर्धन
3. क. ✓ ख. ✗
   ग. ✗ घ. ✓
   ङ. ✓

4. क. पेड़ पौधों का
   ख. वृक्षों से हमें फल, फूल, सब्जी आदि बहुत सी ऐसी सब्जी मिलती हैं जो हमारे लिये महत्वपूर्ण होती हैं। वृक्ष के पत्ते, फूल और टहनियाँ बहुत सी चीजों में काम आती हैं।
   ग. मरूस्थल के निवासियों का जीवन बहुत ही कष्टकारी होता है।
   घ. नीम के बारे में घोषित किया कि 'सर्वरोगहरो निम्ब' वृक्ष लगाने को पुण्य और उसे काटने को पाप कहा गया। छोटे पेड़ को काटना शिशु-हत्या जैसा घातक अपराध माना गया।
   ङ. विनोबा जी का भूदान आंदोलन था।

भाषा-ज्ञान

1. क. भूगोल + इक = भूगोलिक
   ख. वर्ष + इक = वार्षिक
   ग. अर्थ + इक = आर्थिक
   घ. दिन + इक = दिनाँक
   ङ. राजनीति + इक = राजनीतिक
   च. प्रकृति + इक = प्राकृतिक
   छ. सप्ताह + इक = साप्ताहिक
   ज. इतिहास + इक = ऐतिहासिक
   झ. मास + इक = मासिक
   ञ. धर्म + इक = धार्मिक

2.

	विशेष्य	विशेषण
क.	पेड़-पौधे	उपकारी बंधु
ख.	वृक्ष	दानी
ग.	पेड़-पौधो	शुद्ध वायु
घ.	हरी-सूखी	उत्तम
ङ.	आबादी	दोगुनी

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 17 - विद्युत

लिखित

1. क. बिजली
   ख. पिता
   ग. सशक्त
   घ. जेनरेटर
2. क. माइकेल फैराडे
   ख. सर हम्फ्रे डेवी
   ग. लुहार
   घ. वैज्ञानिकों
3. क. ✗
   ख. ✗
   ग. ✓
   घ. ✓
   ङ. ✓
4. क. जो बिजली हमारे घर में प्रवाहित होती है जगह जगह फैक्ट्रीरियों में जाती है यदि नाल चुम्बक के दोनों सिरों के बीच के चुम्बकीय क्षेत्र में किसी तार की कुंडली को ले जाए जो उसमें विद्युम-प्रवाहित होने लगती है इसी को ही विद्युत धारा कहते हैं।
   ख. माइकल फैराडे से पूर्व विद्युत धारा केवल बिजली की बैटरियों से उत्पन्न की जाती थी।
   ग. इनके पिता लुहार थे और आर्थिक रूप से कमजोर थे इसलिए फैराडे अपनी पढ़ाई नहीं कर सके।
   घ. इन्होनें रसायन के क्षेत्र में बैंजीन का आविष्कार किया।

भाषा-ज्ञान

1. क. सुबह — शाम
   ख. जन्म — मरण
   ग. आरामदायक — कष्टदायक
   घ. ज़्यादा — कम

ङ. कमज़ारे — ताकतवर च. निर्माण — अनिर्माण

2. क. कमरों में मोमबत्तियाँ जल रही है।
   ख. कक्षाओं में बच्चें नही है।
   ग. बच्चे धूप में खेल रह है।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ 18 - प्राथमिक चिकित्सा

लिखित

1. क. बरसात का ख. छह ग. सौरभ
   घ. लद्दू का
2. क. टुकड़ी
   ख. कूदते-फाँदते
   ग. मन
   घ. उसके
   ङ. फिक्र
3. क. ✗
   ख. ✓
   ग. ✓
   घ. ✗
   ङ. ✓
4. क. (ii)
   ख. (iii)
   ग. (iv)
   घ. (v)
   ङ. (i)
5. क. प्राथमिक चिकित्सा से यह आशय है कि जब हम कहीं पर जा रहे हो और हमारे साथ दुर्घटना हो जाए तो हमें उपचार के लिए सभी आवश्यक सामग्री अपने साथ रखनी चाहिए।
   ख. सौरभ और उसके दोस्तो ने घूमने के लिए पहाड़ी स्थान चुना।
   ग. हम सब खाली हाथ थे। सौरभ के थैले का हमने बहुत-मजाक उड़ाया। एक साथी ने तो उसे 'लद्दू' का खिताब दे दिया।
   घ. एक बोतल में से एक चीनी की प्याली में थोड़ी दवा डाली। उसने रूई डुबोई और छिले-फटे घुटनों और हाथों को साफ कर दिया धीरे-धीरे जख्म साफ हो गए फिर दुसरी बोतल से दवा निकाली उसमें कपड़े के टुकड़ों को भिगोया, एक टुकड़ा चोट पर रखा और दोनों घुटनों पर बाँध दी। इस प्रकार मंयक की प्राथमिक चिकित्सा सौरभ ने की।
   ङ. यदि सौरभ मयंक की प्राथमिक चिकित्सा नहीं करता, तो मयंक के जख्म खराब हो जाते और काफी दिनों तक तकलीफ का सामना करना पड़ता।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं कीजिए।
2. स्वयं कीजिए।

क्रियात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।